नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित २००५ ई.

7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक : ..... दिनांक : 10.02.2019

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बारहवें समावर्तन संस्कार समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि **केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार, माननीय श्री जे. पी. नड्डा** ने कहा कि शिक्षा में आमूल–चूल परिवर्तन के बिना समग्र व्यवस्था परिवर्तन सम्भव नही है। भारत की सनातन संस्कृति, हमारी गौरवशाली परम्परायें, हमारे श्रेष्ठ जीवन मूल्य शिक्षा के द्वारा ही भारत की भावी पीढ़ी को दिया जा सकता है। देश की शिक्षण प्रशिक्षण संस्थाएं इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज के समावर्तन संस्कार में दीक्षित विद्यार्थी खुले आकाश में पंख फड़–फड़ाकर उड़ें। अपनी–अपनी क्षमता के अनुसार जीवन–पथ पर देश–समाज के हित में आगे बढ़ें। आज का युग संक्रमण का युग है। जीवन–मूल्यों का क्षरण हो रहा है। व्यक्तित्त्व का ह्रास हो रहा है। भारतीय संस्कृति एवं उसके मूल्यों की रक्षा युग–धर्म भी है, और वैश्विक शान्ति के लिए आवश्यक भी। शिक्षण–संस्थाएं यदि इस युग–धर्म को स्वीकार करें, तो ही भारत बच सकता है। भारतीय संस्कृति में माया का कोई स्थान नहीं है। यथार्थ और आदर्श की टकराहट में ही वास्तविक परीक्षा होती है। उस परीक्षा में हम पास हों, और आदर्श की रक्षा करें। आज शिक्षा में आमूल–चूल परिवर्तन की आवश्यकता है। श्रीगोरक्षपीठ की ऐसी संस्थाएं दीपक बनकर मार्ग दिखा सकती हैं। धर्म, धैर्य और ईमानदारी का जीवन भारत के विकास की प्रथम शर्त है। भारत की पहचान वैभव से पहले मनुष्यता, नैतिक मूल्यों और सदाचार से होती है। हमें भारत को विश्वगुरू बनाने की दिशा में बढ़ना है। आज के संकल्पबद्व विद्यार्थी भारत–समर्पित जीवन दृष्टि के साथ आगे बढ़ेंगे, यही समाज की अपेक्षा है। आप लक्ष्य निर्धारित करें और आगे बढ़ें। परहित और परपीड़ा का शमन जीवन का उद्देश्य बनाएं।

कार्यक्रम अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने कहा कि परिश्रम और पुरुषार्थ का कोई विकल्प नही है। देश की युवा शक्ति शार्ट–कट का रास्ता अपनाने का मोह छोड़े। अपनी मौलिक क्षमता का विकास करें। देश और समाज को समर्पित जीवन का लक्ष्य लें। शिक्षण संस्थाएं सामाजिक राष्ट्रीय परिवर्तन के अभियान में सहयोगी बनें। उन्होने आगे कहा कि महन्त दिग्विजयनाथ जी द्वारा रोपे गए शिक्षारूपी पौधे ने आज वटवृक्ष का रूप धारण कर लिया है। वर्तमान युग में समावर्तन संस्कार की परम्परा इस महाविद्यालय ने डाली है। शिक्षा को समाज से जोड़ने का एक नया प्रयोग इस महाविद्यालय ने किया है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य तभी पूर्ण होगा जब शिक्षण संस्थाएँ सामाजिक सरोकारों से जुड़कर विकसित हों। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की संस्थाएँ इस दिशा में अग्रसर हैं। जीवन में जब भी उलझन हो तो अपने मूल की ओर देखें और हमारा मूल वही है जो आज समावर्तन उपदेश दिया गया है। समावर्तन उपदेश एवं संकल्प को जीवन में उतारें, आपका जीवन सुखी होगा और मुक्ति मार्ग पर चल पड़ेगा। विशिष्ट अतिथि, पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह ने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्वति का वास्तविक स्वरूप महाराणा प्रताप महाविद्यालय में मिलता है। पढ़ाई केवल पाठ्य पुस्तक तक सीमित नहीं। शिक्षा का आत्म तत्त्व संस्कार है। संस्कारों की जननी संस्कृति है। संस्कृति का निर्माण साधना से होता है। वह साधना शिक्षालयों में भी होनी चाहिए, समाज में होना चाहिए। शिक्षक–विद्यार्थी साथ मिलकर संस्था चलाएँ, यह सिद्धान्त व्यवहार में लाकर इस महाविद्यालय ने देश की शिक्षा व्यवस्था को राह दिखाई है। यह महाविद्यालय आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के मॉडल की प्रयोगशाला है।

समारोह में महाविद्यालय के **प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने प्रस्ताविकी रखते हुए कहा कि यह महाविद्यालय गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सपनों का महाविद्यालय है। शिक्षा में उनके द्वारा किये गये प्रयोग

क्रमशः 2

पत्रांक : ..... दिनांक : 10.02.2019

की प्रयोगशाला है। गोरक्षपीठ ने स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखकर शैक्षिक क्रान्ति की जो मशाल जलायी, उसके निरन्तर प्रज्वलित रहने का ही प्रमाण है आज का समावर्तन समारोह। गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय द्वारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के प्रति अपने विद्यार्थियों को संकल्पित कराकर भारत की सेवा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करना एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यहाँ से अध्ययन पूर्ण कर जाने वाले छात्र–छात्राओं ने जो संकल्प लिया है उसे पूरा करने में ईश्वर उनकी मदद करें। **अभिभावक संघ के अध्यक्ष श्री विपिन कुमार यादव एवं पुरातन छात्र परिषद के सदस्य श्री दीपेन्द्र प्रताप सिंह** भी उपस्थित थे।

समारोह में महाविद्यालय के **प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह** ने छात्र–छात्राओं को दीक्षान्त उपदेश के साथ–साथ शुचिता एवं इमानदारी से जीवन निर्वाह, पारिवारिक उत्तरदायित्वों की पूर्ति, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद तथा भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठावान बने रहने तथा भारतीय जीवन मूल्यों के सम्मान एवं संवर्धन करने का संकल्प दिलाया। सरस्वती वन्दना से समारोह का एवं शुभारम्भ समारोह का समापन राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के साथ हुआ। महाविद्यालय की छात्राएं वर्षा जायसवाल, रितिमा पासवान, नीलम दूबे, मनीषा वर्मा तथा निशा त्रिपाठी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

समारोह में प्रो0 विनोद सिंह, प्रो0 राजवन्त राव, प्रो0 सुधाकर लाल श्रीवास्तव, डॉ. के. सुनीता,प्रो0 राजेन्द्र भारती, श्री प्रमथनाथ मिश्रा, श्री धर्मेन्द्रनाथ वर्मा, प्रो0 शैलजा सिंह, श्री शिवजी सिंह, श्रीमती अंजू चौधरी, डॉ0 एस0 पी0 सिंह, डॉ0 वेदप्रकाश पाण्डेय, श्री हरिप्रकाश मिश्रा, श्री विष्णुकान्त शुक्ला, डॉ0 बी0एन0सिंह, श्री महेन्द्र सिंह, निर्भय नारायण सिंह, श्री डी0एन0सिंह, सत्यप्रकाश सिंह मुन्ना, अनिल सिंह, डॉ0 उग्रसेन सिंह, डॉ0 शैलेन्द्र उपाध्याय, आर0एन0 गुप्ता, डॉ0 नीरज सिंह, श्री मनोज चन्द साहित्य अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

गाँव के ८० बच्चों को सिखाया कम्प्यूटर

राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र से इस सत्र में 40–40 के दो बैच में ग्रामीण बच्चो को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया गया जिनमें से 39 ने परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रमाण पत्र प्राप्त किया–
प्रिंयका निषाद, राज गुप्ता, खुशबू निषाद, सचिन वर्मा, बजरंगी निषाद, बृजेश निषाद, रामआर्दश प्रजापति, आदित्य प्रजापति, अमित कुमार, साहिल खान, अभिषेक निषाद, अजीत प्रजापति, प्रिंस गुप्ता, आनन्द चौधरी, अंजली प्रजापति, अनुष्का शर्मा, कविता निषाद, गरिमा शर्मा, प्रियांश शर्मा, मनीषा सहानी, विनय निषाद, चन्द्रजीत निषाद, आरुषी गुप्ता, शिवानी कुमारी, विनय निषाद, काजल, संगम निषाद, विपिन कुमार, नितिन विश्वकर्मा, अजय निषाद, राकेश निषाद, गौरव निषाद, अंशु गुप्ता, विजय, राज कुमार, संजू निषाद, विक्की, ज्योति विश्वकर्मा, राधिका निषाद।

ग्रामीण महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई एवं पेटिंग ने बनाया निपुण

योगिराज बाबा गंभीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेटिंग केन्द्र से इस सत्र में प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाली महिलाऐं एवं छात्राएँ– गिरजा निषाद, किरन निषाद, बबिता, कवीज फातिमा, रिंकी, रंजना सिंह, पुजा विश्वकर्मा, संविता शर्मा, संगीता शर्मा, संगीता यादव, विनिता शर्मा, ज्योति गुप्ता, अनीता, सीमा चौहान, रीमा चौहान, निशु चौहान, पिंकी साहनी, काजल, शाहनी अल्फीजा, अन्नु यादव, रन्जु निषाद, राधिका निषाद, कुन्ती कुमारी, शीला, सुनैना।

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित २००५ ई.

7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक : .....

दिनांक : 10.02.2019

ये हुए पुरस्कृत

महाविद्यालय में वर्ष भर की गतिविधियों के आधार पर श्रेष्ठतम शिक्षक और कर्मचारियों को निम्न सम्मान दिया गया।
श्रेष्ठतम शिक्षक को सरस्वती सम्मान– श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी।
श्रेष्ठतम कर्मचारी का महराणा प्रताप सम्मान– श्री विजय कुमार मिश्रा।
श्रेष्ठतम चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को महायोगी गुरु गोरक्षनाथ सम्मान– श्री विश्वनाथ
सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षिका– श्रीमती कमलावती

इनका हुआ विमोचन

समावर्तन संस्कार समारोह में प्रो0 सुधाकर लाल श्रीवास्तव की पुस्तक ''राणा कालीन नेपाल'' तथा डॉ0 आरती सिंह की पुस्तक ''आधुनिकता से उत्तर आधुनिकता'' तथा महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ द्वारा प्रकाशित ''लोक भाषा संवर्धन में नाथ पंथ की भूमिका'' और समावर्तन का लोकार्पण मुख्य अतिथि श्री जे. पी. नड्डा एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने किया।

मुख्य आकर्षण रहा समावर्तन में धोती-कुर्ता/साड़ी

समावर्तन संस्कार समारोह में मुख्य आकर्षण छात्र/छात्राओं का गणवेश रहा। केसरिया कुर्ता एवं सफेद धोती में छात्र तथा केसरिया साड़ी में छात्राएँ समावर्तन संस्कार समारोह का मुख्य आकर्षण रहे। मुख्य अतिथि ने गाउन का यह विकल्प प्रस्तुत करने पर महाविद्यालय को बधाई दी।

छात्रों ने लिया समावर्तन संकल्प

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूँगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं समाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता–अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता–पिता तथा सगे–सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत के सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके सम्वर्द्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी